प्रैस विज्ञप्ति

08/02/2024अखिल भारतीय

दिनाँक - 08फरवरी, 2024

एनएसईकोड:- LICI　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　बीएसई कोड:- 543526

31दिसम्बर 2023 को समाप्त 9 महीनो केलिए प्रदर्शन अपडेट(9 माह वित्तीय वर्ष2024)

- कर पश्चातलाभ रु 26,913करोड
- बोर्ड ने 4 रु प्रति शेयर के अंतरिम डिविडेंट को मंजूरी दी
- नव व्यवसाय का मूल्य (वीएनबी) 8.40% बढ़कर 5938 करोड़ हुआ
- नॉन-पार एपीई 49.08% बढ़कर 3299 करोड़ रु हुआ
- व्यक्तिगत व्यवसाय के अंतर्गत नॉन-पार एपीई का शेयर 459बीपीएस बढ़कर 14.04% हुआ
- वीएनबी मार्जिन(शुद्ध) 200 बीपीएस बढ़कर 16.6%हुआ
- एयूएम 11.98%की बढ़त के साथ रु. 49.66 लाख करोड़ हुआ
- 13वें महीने स्थायित्व में प्रीमियम और पॉलिसी दोनों आधार पर सुधार
- सॉल्वेंसी अनुपात 1.85 से बढ़कर 1.93हुआ

08फरवरी 2024, मुंबई: भारतीय जीवन बीमा निगम ("एलआईसी") के निदेशक बोर्ड ने 31दिसम्बर 2023 को समाप्त 9 महीनौ के लिए अनुमोदित और स्वीकृत स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी। नीचे हमारे स्टैंडअलोन परिणामों की मुख्य विशेषताएँ दी गई हैं।

31दिसम्बर, 2023 को समाप्त 9 महीनो के लिए कर पश्चात लाभ (पीएटी) 26,913 करोड़ रुपये था। वर्तमान अवधि के लाभ में 21,461 करोड़ रुपये (शुद्ध कर) की राशि शामिल है, जो उपलब्ध सॉल्वेंसी मार्जिन पर अभिवृद्धि से संबंधित है, जो नॉन-पार फंड से शेयरधारकों के खाते में स्थानांतरित की गई है। 31 दिसम्बर 2022 को समाप्त समान नौ महीने की अवधि के लिए पीएटी 22,970 करोड़ रुपये था, जो तुलनीय नहीं है क्योंकि इसमें वित्त वर्ष 2021-22 की अंतिम तिमाही के लिए उपलब्ध सॉल्वेंसी मार्जिन पर अभिवृद्धि से संबंधित 4,542 करोड़ रुपये (शुद्ध कर) की राशि शामिल थी जिसे 30 सितंबर 2022 को नॉन-पार फंड से शेयरधारकों के खाते में स्थानांतरित किया गया था।

प्रथम वर्ष प्रीमियम आय (एफवाईपीआई) (आईआरडीएआई के अनुसार) द्वारा मापी गई बाजार हिस्सेदारी के संदर्भ में, एलआईसी 58.90% की समग्र बाजार हिस्सेदारी के साथ भारतीय जीवन बीमा व्यवसाय में बाजार हिस्सेदारी के मामले में बाजार में अग्रणी बनी हुई है। 31दिसम्बर, 2023 को समाप्त नौ महीनों के लिए, एलआईसी की व्यक्तिगत व्यवसाय में बाजार हिस्सेदारी 38.74% और समूह व्यवसाय में 72.24% थी।

31 दिसम्बर 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए कुल प्रीमियम आय 3,22,776 करोड़ रुपये थी, जबकि पिछले वर्ष 31दिसम्बर 2022 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए यह 3,42,244 करोड़ रुपये थी। 31दिसम्बर, 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए कुल व्यक्तिगत व्यवसाय प्रीमियम पिछले वर्ष की तुलनीय अवधि के

2,00,429 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,09,719नो करोड़ रुपये हो गया। 31दिसम्बर, 2023 को समाप्त नौ महीने के लिए समूह व्यवसाय की कुल प्रीमियम आय 1,13,057करोड़ रुपये थी, जबकि 31दिसम्बर, 2022 को समाप्त नौ महीनों के लिए यह 1,41,815 करोड़ रुपये थी।

31दिसम्बर, 2023 को समाप्त नौ महीने के दौरान व्यक्तिगत रूप में कुल 1,25,56,046 पॉलिसियाँ बेची गईं, जबकि 31दिसम्बर, 2022 को समाप्त नौ महीनों के दौरान1,28,90,843 पॉलिसियाँ बेची गई थीं।

31दिसम्बर 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए वार्षिक प्रीमियम समतुल्य (एपीई) आधार पर कुल प्रीमियम 35,790 करोड़ रुपये था। इसमें से 65.67 प्रतिशत (23,503 करोड़ रुपये) व्यक्तिगत व्यवसाय द्वारा और 34.33% (12,287 करोड़ रुपये) समूह व्यवसाय द्वारा दिया गया था। व्यक्तिगत व्यवसाय के लिए एपीई आधार पर पार उत्पादों की हिस्सेदारी 85.96% (20,203 करोड़ रुपये) थी और शेष 14.04% (3,299 करोड़ रुपये) नॉन-पार प्रोडक्ट्स के कारण था। नॉन-पार एपीई 31दिसम्बर, 2022 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए 2,213 करोड़ रुपये से बढ़कर 31दिसम्बर, 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए 3,299 करोड़ रुपये हो गया है, जिसमें 49.08% की वृद्धि दर्ज की गई है।इसलिए, 31दिसम्बर 2022 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए हमारा नॉन पार एपीई का हिस्सा 9.45% था जो 31दिसम्बर 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए 14.04% हो गया है।

31दिसम्बर, 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए नव व्यवसाय का मूल्य (वीएनबी) 5,938 करोड़ रुपये था, जबकि 31दिसम्बर, 2022 को समाप्त नौ महीने के लिए यह 5,478 करोड़ रुपये था जिसमे 8.40% की वृद्धि हुई। 31दिसम्बर, 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए शुद्ध वीएनबी मार्जिन 16.6% था, जबकि 31दिसम्बर, 2022 को समाप्त नौ महीने के लिए यह 14.6% था।

सॉल्वेंसी अनुपात 31दिसम्बर, 2022 के 1.85 के मुकाबले 31दिसम्बर, 2023 को बढ़कर 1.93 हो गया।

31दिसम्बर, 2023 को समाप्त नौ महीने के लिए, 13वें महीने और 61वें महीने के लिए प्रीमियम के आधार पर स्थायित्व अनुपात क्रमशः 78.00% और 62.40% है । 31दिसम्बर, 2022 को समाप्त होने वाली इसी नौ माहकी तुलना में स्थायित्व अनुपात क्रमशः 77.61% और 62.73% थे।

31दिसम्बर, 2023 को समाप्त नौ महीने के लिए, 13वें महीने और 61वें महीने के लिए पॉलिसियों की संख्या के आधार पर स्थायित्व अनुपात क्रमशः 67.22% और 50.23% है। 31दिसम्बर, 2022 को समाप्त इसी नौ महीनौ के लिए तुलनीय स्थायित्व अनुपात क्रमशः 64.99% और 51.42% था। इसलिए, 13वें महीने के लिए प्रीमियम और पॉलिसियों की संख्या दोनों के आधार पर स्थायित्व अनुपात में सुधार हुआ है।

प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियाँ(एयूएम) 31दिसम्बर, 2023 को बढ़कर 49,66,371 करोड़ रुपये हो गई, जबकि 31दिसम्बर, 2022 को यह 44,34,940 करोड़ रुपये थी, जिसने साल-दर-साल 11.98% की वृद्धि दर्ज की ।

31दिसम्बर, 2023 को समाप्त नौ महीनौ के लिए कुल व्यय अनुपात 15.28% था, जबकि 31दिसम्बर, 2022 को समाप्त नौ महीनौ के लिए यह15.26% था।

पॉलिसीधारकों के धन के निवेश पर अप्राप्त लाभों को छोड़कर प्रतिफल 31दिसम्बर, 2023 को समाप्त नौ महीनौ के लिए 9.14% था, जबकि 31दिसम्बर, 2022 को समाप्त नौ महीनौ के लिए 8.58% था।

पॉलिसीधारकों के धन में नेटएनपीए 31दिसम्बर, 2023 को 8.01 करोड़ रुपये है, जबकि 31दिसम्बर, 2022 को 10.94 करोड़ रुपये था।

सिद्धार्थ महान्ति, अध्यक्ष, भारतीय जीवन बीमा निगम ने कहा:-"हमारे उत्पाद मिश्रण में विविधता लाने और बदलने के प्रति हमारा निरंतर और केंद्रित दृष्टिकोण अब तेज गति से परिणाम दे रहा है। वित्त वर्ष 2024 के पहले नौ महीनों के लिए हमारे कुल व्यक्तिगत कारोबार में एपीई आधार पर नॉन पार बिजनेस की हिस्सेदारी 14.04% तक बढ़ने से यह स्पष्ट है। तथ्य यह है कि इसके साथ वीएनबी मार्जिन स्तर में 200 बीपीएस की वृद्धि भी हुई है। यह 16.6% एक संकेतक है कि हमारे रणनीतिक हस्तक्षेप उस तरीके से काम कर रहे हैं जिसकी हमने कल्पना की थी। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारा प्रत्येक कार्य सभी हितधारकों के लिए लाभकारी हो। हम अपने सभी कर्मचारियों, एजेंसी बल और चैनल भागीदारों के सहयोग से अपने लक्षित उत्पाद और चैनल मिक्स को लगातार जारी रखेंगे। हम अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए नए उत्पाद विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी डिजिटल परिवर्तन परियोजना चल रही है, हम अपनी व्यावसायिक प्रक्रियाओं में महत्त्वपूर्ण सुधार करने के लिए आश्वस्त हैं।

<u>प्रमुख प्रचालन और वित्तीय मेट्रिक्स:</u>

क्र° स°	विवरण	31 दिसंबर2022 को समाप्त नौ माह (रु° करोड़ में)	31 दिसंबर2023को समाप्त नौ माह (रु° करोड़ में)	वर्ष दर वर्ष वृद्धि %
1.	लाभ कर के भुगतान के पश्चात (पीएटी)*	22,970	26,913	*नोट नीचे देखे
2.	कुल नव व्यवसाय प्रीमियम आय (व्यक्तिगत)	38,828	38,679	(0.38) %
3.	नवीकरण प्रीमियम (व्यक्तिगत)	1,61,601	1,71,040	5.84%
4.	कुल प्रीमियम (व्यक्तिगत)	2,00,429	2,09,719	4.64%
5.	कुल समूह व्यवसाय प्रीमियम	1,41,815	1,13,057	(20.28)%
6.	कुल प्रीमियम आय	3,42,244	3,22,776	(5.69)%
7.	बेची गई पॉलिसियों की संख्या	1,28,90,843	1,25,56,046	(2.60)%
8.	नव व्यवसाय का मूल्य	5,478	5,938	8.40%
9.	प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियाँ	44,34,940	49,66,371	11.98%
10.	वीएनबी मार्जिन(शुद्ध)	14.6%	16.6%	
11.	कुल व्यय अनुपात	15.26%	15.28%	
12.	सॉल्वेंसी अनुपात	1.85	1.93	
13.	13 माह/ 61 माह स्थायित्व(प्रीमियम आधार पर)	77.61%/62.73%	78.00%/62.40%	

14.	13 माह/ 61 माह स्थायित्व (पॉलिसियों की संख्या के आधार पर)	64.99%/51.42%	67.22%/50.23%	
15.	व्यक्तिगत एपीई	23,419	23,503	0.36%
16.	व्यक्तिगत एपीई उत्पादमिश्रण(%) (पार/ संबद्ध सहित नॉन पार)	90.55%/9.45%	85.96%/14.04%	
17.	एपीई समूह व्यवसाय	14,126	12,287	(13.02)%
18.	कुल एपीई (व्यक्तिगत+समूह)	37,545	35,790	(4.67)%

*निगम ने गैर भागीदारी पालिसीधारको के खाते से शेयरधारकों के खाते मे उपलब्ध सालवेन्सी मार्जिन पर अभिवृद्धि (शुद्ध कर) के हस्तांतरण के संबंध में सितंबर 2022 में अपनी लेखांकन नीति में बदलाव किया था और तदानुसार वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 27,240.75 करोड़ रुपये शुद्ध राशि हस्तांतरित की थी जिसमें 31/12/2022 को समाप्त तिमाही से संबधित 19,941.60 करोड़ रुपए (शुद्ध कर) शामिल है । 19,941.60करोड़ रुपये की राशि 31.03.2022, 30.06.2022 और 30.09.2022और 31.12.2022. को समाप्त तिमाही से संबंधित है जो क्रमशः 4,542.31 करोड़ रुपये , 4,148.78 करोड़ रुपये , 5,580.72 करोड़ रुपये और 5,669.79 करोड़ है ।31.12.2023 को समाप्त नौ माह के लिए 21,460.68 करोड़ रुपये (शुद्ध कर) की राशि हस्तांतरित की गई (31.12.2023 को समाप्त तिमाही के लिए 7692.34 करोड़ रुपये और 30.09.2023 को समाप्त तिमाही के लिए 6276.80 करोड़ रुपये और 30.06.2023 को समाप्त तिमाही के लिए 7,491.54 करोड़ रुपये), जिसके कारण 31.12.2023 तक समाप्त अवधि का लाभ 31.12.2022 तक समाप्त अवधि के संबंधित आंकड़ों के साथ तुलनीय नहीं है।

8 फरवरी 2024 को मुंबई में दिनांकित

अधिक जानकारी के संपर्क करें: कार्यकारी निदेशक (निगमित संप्रेषण)

भारतीय जीवन बीमा निगम, केंद्रीय कार्यालय, मुंबईईमेल :ed_cc@licindia.com

www.licindia.in पर विजिट करें

हमें विश्वास है कि इस विज्ञप्ति में दी गई जानकारी आपके पाठकों हेतु मूल्यवान होगी ।

हम आपको इसे यथाशीघ्र प्रकाशित करने के लिए धन्यवाद देंगे, हम यह भी स्वीकार करेंगे कि ऐसा करने का निर्णय पूरी तरह से आप पर निर्भर करता है।

नोट : प्रेस विज्ञप्ति के किसी भी मद में विवाद व संदेह की स्थिती में अंग्रेजी भाषा के विषयक को अंतिम माना जाएगा ।